



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 479]
No. 479]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 29, 1983/कार्तिक 6, 1905
NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 29, 1983/KARTIKA 6, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर, 1983

का० आ० 780 (अ)/18कक/उ० वि० वि० अ०/83:—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 618 (अ)/18कक/उ० वि० वि० अ०/79 तारीख 31 अक्टूबर, 1979 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा केन्द्रीय सरकार ने सचिव, बन्द और स्मृण उद्योग विभाग जिसे अब सचिव, औद्योगिक पुनर्निर्माण विभाग, पश्चिमी बंगाल सरकार, कलकत्ता कहा जाता है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्राधिकृत व्यक्ति कहा गया है) को मैसर्स श्री सरस्वती प्रैस लिमिटेड, 11 बैरकपुर टुक रोड बेलघारिया, कलकत्ता (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त औद्योगिक उपक्रम कहा गया है) का प्रबंध, 31 अक्टूबर, 1979 से तीन वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया था;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 768 (अ)/18कक/उ० वि० वि० अ०/

82, तारीख 30 अक्टूबर, 1982 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 30 अप्रैल, 1983 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा दी गई थी और वह का० आ० सं० 347 (अ) 18कक/उ० वि० वि० अ०/83 तारीख 30 अप्रैल, 1983 द्वारा 30 अक्टूबर, 1983 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और बढ़ा दी गई थी;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम का उक्त प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा प्रबंध, तारीख 31 दिसम्बर, 1983 जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, की और अवधि के लिए बना रहना चाहिए;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि उक्त आदेश 31 दिसम्बर, 1983 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, की और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[का० सं० 2 (15)/79-सी० यू० एस०]
ए० पी० सरधन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 29th October 1983

S.O. 780(E)|18AA|IDRA|83.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 618(E)|18AA|IDRA|79, dated the 31st October, 1979 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government had authorised the Secretary, Closed and Sick Industries Department, now called Secretary, Industrial Reconstruction Department, Government of West Bengal, Calcutta (hereinafter referred to as the said authorised person) to take over the management of Messrs Sree Saraswati Press Limited, 11, Barrackpore Trunk Road, Belgharia, Calcutta (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) for a period of three years from the 31st October, 1979;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (De-

partment of Industrial Development) No. S.O. 768(E)|18AA|IDRA|82, dated the 30th October, 1982, the duration of the said Order was extended upto and inclusive of the 30th April, 1983 and it was further extended upto and inclusive of the 30th October, 1983 by the Order No. S.O. 347(E)|18AA|83, dated the 30th April, 1983;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said authorised person should continue for a further period upto and inclusive of 31st December, 1983;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 31st December, 1983.

[F. No. 2(15)|79-CUS]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.